दुर्दशा : आदिम जाति विभाग की बैठक में अधिकारियों ने पैसे का रोना रोया

साय ने पूछा हाल, बताया फंड बगैर बेहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने मंगलवार को आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने छात्रावास सहित विभाग की अन्य गतिविधियों के बारे में पूछा। इसके जवाब में ज्यादातर जिले के अधिकारियों ने फंडिंग का रोना रोया। उन्होंने कहा, पर्याप्त फंड मिलने से हर जिलों में व्यवस्था सुधारी जाएगी। न्यू सर्किट हाउस में सुबह 10 बजे बैठक की शुरुआत हुई। इसमें श्री साय ने बारी-बारी से सबसे छात्रावास सहित अन्य सुविधाओं के बारे में पूछा।

- नंदकुमार साय की अध्यक्षता में हुई बैठक

श्री साय ने हिदायद देते हुए कहा, केंद्र से मिलने वाली फंड की सदुपयोग होना चाहिए। इस बीच अधिकारियों ने छात्रावास, विभागीयं निर्माण, छात्रवृत्ति आदि में फंड के बिना परेशानी बताई। अधिकारियों ने कहा कि केंद्र यदि फंड बढ़ा देगा, तो व्यवस्था पूरी तरह सुधर जाएगी।

श्री साय ने विभाग की कुछ अन्य योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने प्राइमरी स्कूल की शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा, हमें प्राइवेट स्कूल के मुकाबले पर काम करना है। हमें ऐसी मूल्यांकन पद्धति बनाना है, जिससे गुणवत्ता में सुधार हो। प्राइमरी स्कूलों में विद्वान शिक्षक की नियुक्ति होनी चाहिए, ताकि बच्चों का सार्वांगीण विकास हो। इस बैठक में संचालक रीना बाबा साहब कंगाले समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

वर्षा के साथ खड़े हुए साय

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय निलंबित डिप्टी जेलर वर्षा डोंगरे के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं। आयोग का अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार समीक्षा बैठक लेने रायपुर पहुंचे नंदकुमार साय ने मीडिया से बातचीत में कहा, वर्षा डोंगरे मामले में सरकार को कड़ा कदम उठाने से पहले विचार करना था। निलंबन और स्थानांतरण को लेकर चल रहे विवादों के बीच साय के बयान ने पूरे मामले को फिर गरमा दिया है। इस बीच वर्षा को सोशल मीडिया पर समर्थन देने वाले लोग भी साय के बयान को उनके समर्थन में बड़ा हथियार मान रहे हैं। नंदकुमार साय ने कहा, बस्तर में आदिवासियों की स्थिति अब भी बहुत अच्छी नहीं है। कई स्थानों पर उनके साथ अत्याचार की खबरें सामने आती हैं। पुलिस की बर्बरता भी आदिवासियों को परेशान कर रही है। ऐसे में सिर्फ हथियार के सहारे नक्सलवाद को रोकना मुश्किल है। साय के बयान से साफ है कि वे वर्षा डोंगरे के बयान का समर्थन कर रहे हैं। कुछ दिन पहले वर्षा ने भी बस्तर में आदिवासियों पर अत्याचार को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया था। इसे राज्य सरकार ने ड्यूटी नियमों के विपरीत मानते हुए उन्हें निलंबन का फरमान थमा दिया था।

- कहा- कड़ा कदम उठाने से पहले करना था विचार

साड़ी एण्ड गारमेण्टस

, टीशर्ट, जीन्स,
र, शूट, शूटपीस,
, लेडीज शूट,
नने का अनुष्ठान

गड़िकापुर रोड़, पत्थलगांव
मो. नं. 9425574730

दैनिक

निष्पक्ष, निर्भीक एवं राष्ट्रवादी

जशपुरान्चल

जशपुर जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र

Email:- jashpuranchal@gmail.com

जशपुर, गुरूवार 10 अगस्त 2017

epaper: jashpuranchal.com

जशपुर के समाचारों के लिए

मोबाईल की दुनिया में कीजिये अपनों से बातें

मोबाईल श्रृंगार

विक्रेता
नोकिया, समसंग,
चाईना मोबाईल,
डिजिटल कैमरा
एवं मेमोरी
कार्ड के विक्रेता

र्ष-17 | अंक- 117 | पंजीयन क्रमांक सीएचएचआइएन/1999/04101 | डाक पंजीयन क्र.रायगढ़ 002/2015से 2017 | पृष्ठ-8 | मूल्य 1 रुपये

समाचार

ुद्दे पर केंद्र ने
ोर्ड के
ो सराहा

ल्ली , 09
ीय मंत्री संजीव
ख्वार को शिया
ारा सुप्रीम कोर्ट
ा हलफनामे का
ा है, जिसमें कहा
कि विवादित
ल से थोड़ी दूरी
का निर्माण किया
है। वल्फान ने
वक्फबोर्ड द्वारा
लामा वाकई में
य है। यह मुद्दा
टे कोर्ट में अटका
स मामले में यह
एक बड़ा कदम
वक्फ बोर्ड ने
ो सुप्रीम कोर्ट में
ा एक हलफनामा
र अयोध्या में
थल पर राम मंदिर
की वकालत की
ी कहा कि अगर
ाने की वैकल्पिक
ा जाए तो बोर्ड
जगह पर दावा
तैयार है। ऐसे में
ा निर्माण पास के
बहुल इलाके में
सकता है। शिया
ने दावा किया कि
स्जिद की साइट
। यहीं उसने सुन्नी
ी की तरह उसे भी
बनाने की अपील
रतलब है कि
भूमि विवाद पर
र्ट में 11 अगस्त से
ी की पीठ नियमित
शुरू करेगी।
द हाईकोर्ट के
बाद 2011 में जब
ला सुप्रीम कोर्ट
ो उसने सभी पक्षों
स जारी किया था।
फनामा उसी नोटिस
में आया है।

मराठा क्रांति मोर्चा
त्थावाले नहीं करेंगे

ई , 09 अगस्त।
में मराठा संगठन
क बार फिर से मराठा
र्चा आयोजित करने
है। इस बड़ी रैली में
ोगों के शामिल होने
भावना है। रैली
ा में जीजामाता
ो सुबह 11 बजे शुरू
िर शाम 5 बजे मुंबई

आदिवासी समाज को मिलने वाली सुविधाएं खैरात नहीं हैं, समाज ने देश की सुरक्षा के लिए बढ़-चढ़कर कुर्बानियां दी हैं- नंदकुमार साय

■ जशपुरान्चल

पत्थलगांव। आदिवासी समाज को मिलने वाली सुविधाएं खैरात नहीं हैं। आदिवासी समाज ने देश की सुरक्षा के लिए बढ़-चढ़कर कुर्बानियां दी हैं। परंतु आरक्षण और तमाम शासकीय योजनाओं के बावजूद आदिवासी समाज का अपेक्षित विकास नहीं हो सका है। इसके लिए आदिवासी समाज के समुचित विकास के लिए आदिवासियों का एकजुट होना जरूरी है। यह बातें अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकुमार साय ने आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं।

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शासकीय हाईस्कूल मैदान में सम्मेलन का आयोजन किया गया था। अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकुमार साय इसके मुख्य अतिथि थे वहीं पूर्व मंत्री रामपुकार सिंह,लैलूंगा के पूर्व विधायक हृदयराम राठिया,एम एस पैंकरा,सहदेव निकुंज,शशि भगत,विशिष्ट अतिथि के रूप में यहां उपस्थित रहे। यहां लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने आदिवासी समाज के समुचित विकास के लिए आदिवासियों की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए संविधान की स्थापना के समय से ही विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं। शासन की ओर से आदिवासियों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। परंतु इसके बावजूद समाज अभी तक विकास की दौड़ में पिछड़ा हुआ है। इसके लिए आदिवासियों की एकजुटता को जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के बहुत सारे लोग शासन और प्रशासन के बड़े-बड़े पदों पर आसीन हैं परंतु ये भी आदिवासियों की समस्याओं को दूर करने में अपेक्षाकृत रूचि नहीं लेते हैं। वहीं यह भी देखने में आता है कि समाज के ही कुछ लोग आदिवासियों के शोषण में सहभागी बनकर समाज को कमजोर करने में लगे रहते हैं। उन्होंने आदिवासी बालिकाओं के अन्य वर्गों द्वारा किए जाने वाले शोषण पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई बार आदिवासी समाज के लोगों की भी इसमें सहभागिता इसमें सामने

आती है। फर्जी जाति प्रमाण पत्र को भी श्री साय ने आदिवासियों के लिए बड़ी समस्या बताया। उन्होंने बताया कि फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर दूसरे लोग सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं जबकि असली आदिवासी इससे वंचित हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से इस प्रकार के मामलों को सजगतापूर्वक सामने लाने की बात कही। आदिवासियों की परंपरा को अत्यधिक समृद्ध बताते हुए उन्होंने आदिवासी समाज द्वारा देश की सुरक्षा में दिए गए योगदान को लेकर जानकारी नहीं होने को समाज के लिए गहरी चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज से बड़ी संख्या में लोगों ने शहादत दी है परंतु कोई जानकारी उपलब्ध नहीं होने से आधुनिक समाज इससे अनभिज्ञ है। उन्होंने इतिहास में आदिवासियों के योगदान को शामिल किए जाने के लिए आदिवासी शहीदों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया। प्रमोशन में आदिवासी समाज को आरक्षण नहीं मिल पाने को बड़ी समस्या बताते हुए उन्होंने लोगों को इसके लिए आगे आने की बात कही। शराब को समाज का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए उन्होंने लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया। पूर्व मंत्री रामपुकार सिंह ने समाज के समुचित विकास नहीं हो पाने पर समाज के लिए चिंतन का विषय बताया।

इसके लिए शिक्षा को जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि शासन की ओर से आदिवासी समाज के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जाती रही हैं परंतु शिक्षित नहीं होने के कारण आदिवासी समाज इसका समुचित लाभ नहीं ले सका है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है और विकास का अपेक्षित स्तर हासिल करने के लिए आदिवासियों को अपने बच्चों को शिक्षित बनाना चाहिए। उन्होंने बालक और बालिका को एकसमान बताते हुए बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक बालिका के शिक्षित होने पर दो घरों को इसका लाभ मिलेगा। आरक्षण को आदिवासी समाज के लिए जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि समय-समय पर इसे खत्म करने की बात होती है परंतु इसकी बजाए आदिवासी वर्ग को और सहयोग देकर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि ये भी समाज के अन्य वर्गों के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकें। उन्होंने आदिवासियों के विकास के लिए सभी वर्गों को एकजुट करने की बात कही। सम्मेलन में पूर्व लैलूंगा विधायक हृदयराम राठिया,जशपुर नगरपालिका अध्यक्ष हीरूराम निकुंज, कृपाशंकर भगत, शशि भगत,एम एस पैंकरा, सहदेव कुजूर, ओस्कर कुजूर, नागेश, लंबोदर नाग समेत अन्य वक्ताओं ने भी आदिवासियों के कल्याण के लिए अपने विचार रखे। इस दौरान आदिवासी समाज के विभिन्न वर्गों ने अपने परंपरागत लोककलाओं का प्रदर्शन किया। आयोजन में आनंद नाग,नेहरू लकड़ा,जोसेफ बड़ा ने विशेष भूमिका निभाई।

आदिवासियों को एकजुट होकर काम करने पर बल

छत्तीसगढ़ संवाददाता

पत्थलगांव, 9 अगस्त। बुधवार को अंतराष्ट्रीय आदिवासी सम्मेलन में राष्ट्रीय अनसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नन्दकुमार साय के पत्थलगांव पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। रेस्ट हाउस से सम्मेलन स्थल के लिए कर्मा नृत्य और गाजे-बाजे के साथ नाचते गाते लोगों के हुजुम के साथ निकले। साथ में पत्थलगांव से पूर्व खनिज मंत्री राम पुकार सिंह, विजय त्रिपाठी, एल्डरमेन सुनील अग्रवाल साथ थे।

सभा स्थल पहुंचने पर सबसे पहले पूजा कर सभी आदिवासी नेताओं का सम्मान किया गया। ओलम्पिक में भारत से हॉकी खेलने वाले खिलाड़ी बिजय कुजूर करा बेवरा का सम्मान किया गया। एमएस पैकरा के प्रशासनिक सेवा के कमिश्नर बनने पर उनका सम्मान किया गया।

श्री साय ने आदिवासियों को एकजुट होकर काम करने पर बल दिया। विशेषकर बच्चों की पढ़ाने में सभी ध्यान दें। सभी को नशा से दूर रहने के लिए कहा। मंच से आदिवासी नेताओं ने कहा कि आदिवासी एकजुटता का परिचय दें।

मुख्य अतिथि रामपुकार सिंह ने सभी आदिवासी को एकजुटता का परिचय देने कहा। 9 अगस्त का दिन पत्थलगांव के लिए बहुत सम्मान की बात है कि विश्व आदिवासी सम्मेलन के लिए इस शहर को चना गया उसके लिए आभार प्रकट किया। विशिष्ट अतिथि अमरजीत भगत विधायक, लालजीत सिंह राठिया पूर्व विधायक धरमजयगढ़, ओमप्रकाश राठिया, पूर्व विधायक लैलूंगा हृदयराम राठिया, हीरा राम निकुंज, एम एस पैकरा, रत्ना पैकरा आयोजन समिति आनन्द नाग, नेहरू लकड़ा, अलबीर साय भगत, सहदेव राम निकुंज, डॉ. बीएल भगत, पीयू बड़ा, भजन साय, जे आर निकुंज, पूरन सिंह ठाकुर औ काफी संख्या में नागवंशी, उरांव, नगेसिया, कंवर समा गौड़ समाज के महिलाये और पुरुष उपस्थित रहे।

जबलपुर, शुक्रवार, 11 अगस्त 2017 हरिभूमि | 10 |

प्रकृति का संरक्षक है आदिवासी समुदाय

- आईजीएनटीयू में राष्ट्रीय अजा आयोग अध्यक्ष का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज, अमरकंटक

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने जनजातियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए इनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए और अधिक कदम उठाए जाने पर जोर दिया है। उनका कहना है कि आदिवासी समुदाय प्रति का संरक्षक है और दुनियाभर में बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान आदिवासी जीवनशैली में समाहित है। श्री साय गुरूवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्हें सामाजिक विकास के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। श्री साय ने कहा कि आदिवासी समुदाय अद्भुत संस्कृति और परंपराओं के संरक्षक हैं। पांच देवों के रूप में यह प्रति को पूजते हैं। प्रति के विभिन्न हिस्सों को परिवार का सदस्य मानकर इनका पूजन किया जाता है। वेदों में वर्णित परंपराओं का आज भी आदिवासी समुदाय अक्षरक्षः पालन करता है। ऐसे में इस भाव को संरक्षित करते हुए समाज के अन्य भागों में भी इनका प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है। इस दिशा में आईजीएनटीयू महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आदिवासियों की जीवनशैली के साथ संसति और लोक संगीत को भी संरक्षित करने पर जोर दिया। कुलपति प्रो. टीव्हीकटटीमनी का कहना था कि आईजीएनटीयू आदिवासियों की जीवन शैली को और अधिक बेहतर बनाने में हर संभव योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय षि उपज को बढ़ाने और इनकी बेहतर तरीके से मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने देश की जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इससे पूर्व प्रो. कटटीमनी ने उनका परंपरागत तरीके से सम्मान किया।

दैनिक भारती 11 अगस्त 2017 शुक्रवार 3

प्रकृति का संरक्षक है आदिवासी समुदाय, इनकी जीवनशैली को प्रोत्साहित करें

आईजीएनटीयू में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंद कुमार का सम्मान

अमरकटंक। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने जनजातियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए इनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए और अधिक कदम उठाए जाने पर जोर दिया है। उनका कहना है कि आदिवासी समुदाय प्र.ति का संरक्षक है और दुनियाभर में बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान आदिवासी जीवनशैली में समाहित है। श्री साय गुरूवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्हें सामाजिक विकास के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया।

श्री साय ने कहा कि आदिवासी समुदाय अदभुत संस्कृति और परंपराओं के संरक्षक हैं। पांच देवों के रूप में यह प्रकृति को पूजते हैं। प्रकृति के विभिन्न हिस्सों को परिवार का सदस्य मानकर इनका पूजन किया जाता है। वेदों में वर्णित परंपराओं का आज भी आदिवासी समुदाय अक्षरक्ष: पालन करता है। ऐसे में इस भाव को संरक्षित करते हुए समाज के अन्य भागों में भी इनका प्रचार–प्रसार करने की जरूरत है। इस दिशा में आईजीएनटीयू महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आदिवासियों की जीवनशैली के साथ संस्:ति और लोक संगीत को भी संरक्षित करने पर जोर दिया।कुलपति प्रो. टी.वी. कटटीमनी का कहना था कि आईजीएनटीयू आदिवासियों की जीवन शैली को और अधिक बेहतर बनाने में हर संभव योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय कृषि उपज को बढ़ाने और इनकी बेहतर तरीके से मार्केटिंग के लिए विश्व. विद्यालय ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने देश की जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इससे पूर्व प्रो. कटटीमनी ने उनका परंपरागत तरीके से सम्मान किया। विश्व. विद्यालय में अंबेडकर पीठ के अध्यक्ष प्रो. किशोर गायकवाड़ ने श्री साय का परिचय देते हुए अनुसूचित जनजातियों के विकास में उनके द्वारा दिए गए अहम योगदान को रेखांकित किया। डॉ. संतोष सोनकर ने विश्वविद्यालय की 10 वर्ष की विकासात्मक यात्रा का वृंतात प्रस्तुत किया। अंत में धन्यवाद कुलसचिव डॉ. ए.आर. सुब्रामणियन ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर.एस. राव ने किया। कार्यक्रम में विधायक रामलाल रौतेल, सुनीता मिंज और हरित कुमार मीना सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

दुर्ग : अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 14 अगस्त
जिला शिक्षा अधिकारी आशुतोष चावरे ने सभी
के स्कूलों में युवा दिवस के साथ सांस्कृतिक
चित्रकला, रंगोली, फैंसी ड्रेस, खेल आयोजित

दुर्ग शहर

दिवासियों के विकास के लिए संचालित योजनाओं की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की समीक्षा

अजजा के रिक्त पदों पर भर्ती शीघ्र करें-साय

छत्तीसगढ़ समाचार : दुर्ग

ष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति
योग के अध्यक्ष नंदकुमार
य ने शनिवार को जिला
र्यालय के सभाकक्ष में
धिकारियों की बैठक लेकर
दिवासियों के विकास के
ए संचालित विभिन्न
जनाओं की विस्तृत समीक्षा
. उन्होंने सरकारी
कारियों में आदिवासियों के
ए निर्धारित रिक्त पदों पर
ीघ्र प्राथमिकता के साथ
र्ती प्रक्रिया शुरू करने के
र्देश दिए.

बैकलॉग के साथ वर्तमान रिक्त
ों पर एक साथ और तेजी से
र्रवाई करने को कहा है. श्री साय
जलस्रोतों के हालात पर चिंता
क्त करते हुए सरकार की ओर से
लाबों को हरसंभव मदद दिलाने
ा भरोसा दिलाया. उन्होंने वर्तमान
उपलब्ध सभी जलस्रोतों की धारा
तों की ओर मोड़ने और फसल
चाने के निर्देश भी जिला प्रशासन
ो दिए हैं. बैठक में जिला कलेक्टर
ब्रजेश कुमार अग्रवाल, एसपी अपरेश
र्मा सहित विभागीय वरिष्ठ
धिकारी उपस्थित थे.

श्री साय ने एक-एक कर
विभागीय अधिकारियों से

बैठक लेते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय

आदिवासियों सहित आम जनता के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की. अनुसूचित जनजाति विकास विभाग से समीक्षा शुरू करते हुए उन्होंने कहा कि परम्परागत रूप से यहां निवास कर रहे आदिवासियों को जाति प्रमाणपत्र बनाने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए. आदिवासी बच्चों को शिक्षा सत्र के शुरूआत में ही स्कॉलरशिप मिलनी चाहिए ताकि इस राशि का उपयोग वे शिक्षा संबंधी छोटी-मोटी जरूरत की पूर्ति के लिए कर पाएगा. आदिवासियों की आस्था के केन्द्र देवगुड़ी के विकास के लिए पिछले साल 11 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है. महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों से जिले में 86 हजार बच्चों को लाभ मिलता है. इसमें आदिवासी समाज के 10 हजार 293 बच्चे शामिल हैं.

श्री साय ने कहा कि आदिवासियों के जीन कर हम आधुनिक किस्म के व्यवसाय और तकनीक से कुछ दूर होते हैं. लिहाजा उन्हें विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रदान करने के साथ ही इसका प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए ताकि इसका वह अधिकतम फायदा उठा सकें. बताया गया कि पिछले साल लगभग 500 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का फायदा दिलाया गया है. उन्होंने गांवों में परम्परागत तरीके से काम कर रहे वैद्यों के अनुभव का लाभ उठाने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि अनेक बीमारियों का उनके पास अचूक इलाज मौजूद है. इन्हें सहेजकर इसका लोगों में प्रचार-प्रसार भी किया जाना चाहिए. श्री साय ने सरकारी योजनाओं के अंतर्गत निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर जोर दिया. कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आयोग की मंशा के अनुरूप आदिवासियों सहित संपूर्ण जनता के लिए गुणवत्ता पूर्वक काम करने का भरोसा दिलाया. उन्होंने नए प्रारूप में आयोग को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए 20 तारीख तक की समय-सीमा दी है. एसपी अपरेश शर्मा ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत आर्थिक सहायता के प्रकरण फिलहाल लंबित नहीं है. प्रत्येक सप्ताह सोमवार को इसकी नियमित बैठक आयोजित करके प्रकरणों का निराकरण किया जाता है.

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर शोभायात्रा

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी यादव युवा कल्याण संगठन द्वारा श्री कृष्ण जन्मोत्सव शोभायात्रा का कार्यक्रम 15 अगस्त मंगलवार को प्रातः 11 बजे से झांकी का शुभारंभ पचरीपारा यादव छात्रावास से पोलसाय पारा चौक, तकियापारा, लुचकी पारा चौक, केवलिया मंदिर, ठंडी चौक, शिवपारा, गवलीपारा, कांग्रेस भवन से इतवारी बाजार, गांधी चौक, पुराना बस स्टैण्ड, इंदिरा मार्केट, परिवहन काम्पलेक्स से श्रीराधा कृष्ण मंदिर पचरीपारा में समापन होगा.

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय की बेबाक राय

कहीं न कहीं कमी, इसलिए बढ़ रही नक्सली समस्या

■ नगर संवाददाता। दुर्ग

कहीं न कहीं कमी रह गई है, इसकी वजह से लगातार प्रदेश में नक्सली समस्या बढ़ रही है. प्रभावित क्षेत्र के स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर इसका समाधान ढूंढा जाना चाहिए. नक्सल समस्या को लेकर आज पूरा प्रदेश परेशान है. उक्त बातें आज कलेक्टोरेट में बैठक पश्चात पत्रकारों द्वारा प्रदेश में बढ़ते नक्सल समस्या के प्रश्न पर जवाब देते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने व्यक्त की.

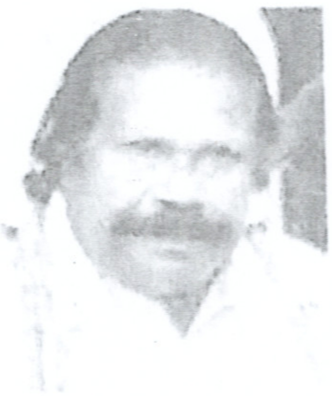

श्री साय ने कहा कि नए भारत के निर्माण में सभी को सहभागी बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष, पुलिस, प्रशासन एवं लोक प्रशासन के प्रतिनिधि सभी मिलकर एक साथ खड़े होंगे, तभी नक्सल समस्या के समाधान का रास्ता निकलेगा. सरगुजा में ऐसा करके बताया है.

...ऐसे में तो हम भी नक्सली

हर आदिवासी नक्सली नहीं होता कहने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई किए जाने के प्रश्न पर श्री साय ने कहा कि यदि हर आदिवासी नक्सली है तो ऐसे में हम भी नक्सली हैं. उन्होंने कहा कि कौन है नक्सली इसे चिन्हित किया जाना चाहिए. पालनार में हुई छेड़छाड़ की घटना को लेकर कहा कि ऐसे आयोजन होता है तो सावधानी रखना चाहिए. ऐसी अप्रिय स्थिति नहीं होना चाहिए. आदिवासी मुख्यमंत्री के प्रश्न पर कहा कि यह विषय हाईकमान का है. हमारी सीमाएं हैं. क्या वे नेतृत्व स्वीकारेंगे के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पहले दे तब तो. श्री साय ने अजीत जोगी के जाति को लेकर कहा कि छानबीन समिति ने फर्जी पाया है. जाति प्रमाण पत्र निरस्त भी कर दिया गया है. अब शासकीय धन की रिकवरी होगी. उन्होंने कहा कंडिका 10 के तहत श्री जोगी की गिरफ्तारी हो.

नईदुनिया 11
जबलपुर, शनिवार 12 अगस्त 2017

जनजातियों के विकास के लिए और अधिक प्रयास की जरूरत : साय

अध्यक्ष नंद कुमार साय का हुआ सम्मान

अनूपपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय ने जनजातियों के सर्वांगीण विकास पर शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए और अधिक कदम उठाए जाने की बात कही है। उनका कहना है कि आदिवासी समुदाय प्रकृति का संरक्षक है और दुनियाभर में बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान आदिवासी जीवनशैली में समाहित है। वे गुरुवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्हें सामाजिक विकास के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया।

पांच देवों के रूप में प्रकृति को पूजते हैं आदिवासी

उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय अद्भुत संस्कृति और परंपराओं के संरक्षक हैं। पांच देवों के रूप में यह प्रकृति को पूजते हैं। प्रकृति के विभिन्न हिस्सों को परिवार का सदस्य मानकर इनका पूजन किया जाता है। वेदों में वर्णित परंपराओं का आज भी आदिवासी समुदाय अक्षरशः पालन करता है। ऐसे में इस भाव को संरक्षित करते हुए समाज के अन्य भागों में भी इनका प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है। इस दिशा में आईजीएनटीयू महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आदिवासियों की जीवनशैली के साथ संस्कृति और लोक संगीत को भी संरक्षित करने पर जोर दिया।

आदिवासियों की जीवन शैली सुधारने में योगदान

कुलपति प्रो. टी वी कट्टीमनी का कहना था कि आईजीएनटीयू आदिवासियों की जीवन शैली को और अधिक बेहतर बनाने में हर संभव योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय कृषि उपज को बढ़ाने और इनकी बेहतर तरीके से मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने देश की जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इन्होंने भी किया संबोधित

अंबेडकर पीठ के अध्यक्ष प्रो किशोर गायकवाड़ ने साय का परिचय देते हुए अनुसूचित जनजातियों के विकास में उनके द्वारा दिए गए अहम योगदान को रेखांकित किया। डॉ. संतोष सोनकर ने विश्वविद्यालय की 10 वर्ष की विकासात्मक यात्रा का वृंतात प्रस्तुत किया। अंत में धन्यवाद कुलसचिव डॉ ए आर सुब्रामणियन ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर एस राव ने किया। कार्यक्रम में विधायक रामलाल रौतेल, सुनीता मिंज और हरित कुमार मीना सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

ग्रामीण क्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठे हुए। इस दौरान पारंपरिक सांस्कृतिक नृत्य भी लोगों का आकर्षण का केंद्र बना रहा। आदिवासी संस्कृति की झलक देखने लोग रास्ते के किनारे खड़े रहे। जगह- जगह पर संगीत के साथ आतिशबाजी की गई।

आदिवासियों को अधिकार दिलाने और उनकी समस्याओं का निराकरण, भाषा संस्कृति, इतिहास के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 9 अगस्त 1994 में जेनेवा शहर में विश्व के आदिवासी प्रतिनिधियों का विशाल एवं विश्व का प्रथम अन्तरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस सम्मेलन आयोजित किया था तथा 9 अगस्त का संयुक्त ... आदिवासी समाज के मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में आदिवासी समाज का सचिव बी ओयामी, एस आर तारम, एस आर जामुदा, श्रीमती डी उइके, श्यामलाल ठाकुर, एस आर नाग, जुगझर पुजारी नीतू कोड़ोपी, सोना मरकाम, बबिता कवासी आदि मौजूद थे।

आदिवासी एकता पर बल, नशा से दूर रहकर बच्चों को पढ़ाएं : साय

पायनियर संवाददाता ◀ पत्थलगांव
www.cgpioneer.com

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी सम्मेलन में शामिल होने बुधवार को राष्ट्रीय अनसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नन्दकुमार साय के पत्थलगांव पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए साय ने आदिवासी एकता पर बल देते हुए नशा से दूर रहकर बच्चों को पढ़ाने की बात कही। रेस्ट हाउस से सम्मेलन स्थल के लिए कर्मा नृत्य और गाजे बाजे के साथ नाचते गाते लोगों के साथ निकले। साथ में पूर्व खनिज मंत्री राम पुकार सिह, विजय त्रिपाठी, एल्डर मेन सुनील अग्रवाल के साथ आदिवासी एकता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए सभा स्थल पहुंचे।

सबसे पहले पूजा कर सभी आदिवासी नेताओं का सम्मान किया गया दूर दराज से आए आदिवासी समाज के लोग सुबह से ही आदिवासी सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंच गए थे, जिसमें महिलाएं बच्चों को लेकर सम्मेलन में पहुंचे। मुख्य अतिथि रामपुकार सिह ने सामाजिक बातों पर चर्चा के साथ सभी आए लोगों का अभिनन्दन किया। आदिवासी को एकजुटता का परिचय देने कहा, सभी सरकारी योजनाओ का लाभ नहीं ले पाए आखिर हम सब ने उतना विकास क्यों नही किया जितना हमें आगे बढ़ना चाहिए, ये सब सोचने की विषय है। 9 अगस्त का दिन पत्थलगांव के लिए बहुत सम्मान की बात है कि विश्व आदिवासी सम्मेलन के लिए चुना गया। उसके लिए आभार प्रकट किया। विशिष्ट अतिथि अमरजीत भगत धरमजयगढ़ विधायक लालजीत सिह राठिया पूर्व विधायक धरमजयगढ़, ओमप्रकाश राठिया, पूर्व विधायक लैलूंगा हृदयराम राठिया, हीरा राम निकुंज, एम एस पैकरा, रत्ना पैकरा, आयोजन समिति आनन्द नाग, नेहरू लकड़ा, अलबीर साय भगत, सहदेव राम निकुंज, डॉ बीएल भगत, पीयूष बड़ा, भजन साय, जे आर निकुंज, पूरन सिंह ठाकुर और काफी संख्या में नागवंशी समाज, उरांव समाज, नगेसिया समाज, कवर समाज, गौड़ समाज की महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे।

खिलाड़ियों का सम्मान

ओलम्पिक में भारत से हॉकी खेलने वाले खिलाड़ी विजय कुजूर, एमएस पैकरा का समान किया गया। अपने भाषण में अनसूचित जनजाति अध्यक्ष नन्दकुमार साय ने सभी आदिवासियों को एक जुट होकर काम करने पर बल दिया, विशेष कर बच्चों को पढाने में सभी ध्यान दे, जिससे गांव से लेकर शहर और समृद्ध भारत के विकास में अपना योगदान देकर आदिवासी समाज अपना नाम और राष्ट्र का नाम का रोशन करे। सभी को नशा से दूर रहने के लिए कहा मंच से आदिवासी नेताओं ने कहा कि आदिवासी अपने पूरे एकजुटता का परिचय दे भारत माता की जय, हम सब एक है के नारे से पूरा सभा स्थल गुंजायमान हो उठा।

प्रेमी ने की प्रेमिका की हत्या

विद्युत विभाग का उपभोक्ताओं पर 50 करोड़ का बकाया

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, Delhi
Mon, 14 Aug 2017, Page 4
Width: 16.73 cms, Height: 36.69 cms, a3, Ref: 21.2017-08-14.61

अजजा आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष की टिप्पणी

हर आदिवासी नक्सली है तो मैं भी हूं : साय

दुर्ग। ब्यूरो

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष व भाजपा के वरिष्ठ नेता नंदकुमार साय ने सोशल मीडिया पर 'हर आदिवासी नक्सली नहीं होता' लिखने वाले वाले एक निलंबित अधिकारी की इस लाइन का समर्थन किया है। साय ने कहा कि यह सही है कि हर आदिवासी नक्सली नहीं है। यदि ऐसा है, तो मैं भी नक्सली हैं। हालांकि उन्होंने अधिकारी के खिलाफ की गई कार्रवाई के सवाल पर चुप्पी साध ली।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने माना की कुछ न कुछ कमियों की वजह से नक्सल समस्या दूर नहीं हो पा रही है। अब यह बस्तर ही नहीं पूरे प्रदेश की समस्या बन गई है। समस्या का निराकरण करने के लिए पीड़ित को चिह्नित करना जरूरी है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष नंदकुमार साय शनिवार को दुर्ग प्रवास पर थे। इस दौरान उन्होंने नक्सल समस्या पर चर्चा करते हुए कहा कि सरगुजा में इस समस्या को दूर करने हमने प्रयास किया है, जिसमें सफलता भी मिली है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पीड़ित आदमी, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मिलकर ही इस समस्या के जड़ तक पहुंच सकते हैं।

जाति मामले में जोगी की जल्द हो गिरफ्तारी: पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के जाति के सवाल पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हाईपावर

स्वीकारा कि कुछ कमियों की वजह से दूर नहीं हो रही समस्या

कमेटी ने उनकी जाति को फर्जी बताया है। इस मामले में उक्त जाति का लाभ लेकर जोगी ने विभिन्न पदों पर रहते हुए सरकार से जितना आर्थिक लाभ लिया है, उसकी रिकवरी होनी चाहिए। फर्जी जाति के मामले में जल्द से जल्द एफआईआर और गिरफ्तारी भी होनी चाहिए।

सीएम का फैसला हाईकमान और विधायक करेंगे तय: प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री का राग अलापने वाले नंद कुमार साय के सुर बदले हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा यह भाजपा हाईकमान और विधायक मिलकर तय करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी मर्यादा है और हम इससे बाहर नहीं जा सकते। कुआकोंडा कन्या आश्रम में राखी बंधवाने आए सीआरपीएफ जवानों द्वारा छात्राओं से छेड़छाड़ के मामले में नंद कुमार साय ने कहा कि यह गंभीर घटना है। ऐसे आयोजन को सोच विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए।